व्यापक यौनिकता शिक्षा (सी॰एस॰ई) यह क्या है, और यह महत्वपूर्ण क्यों है?

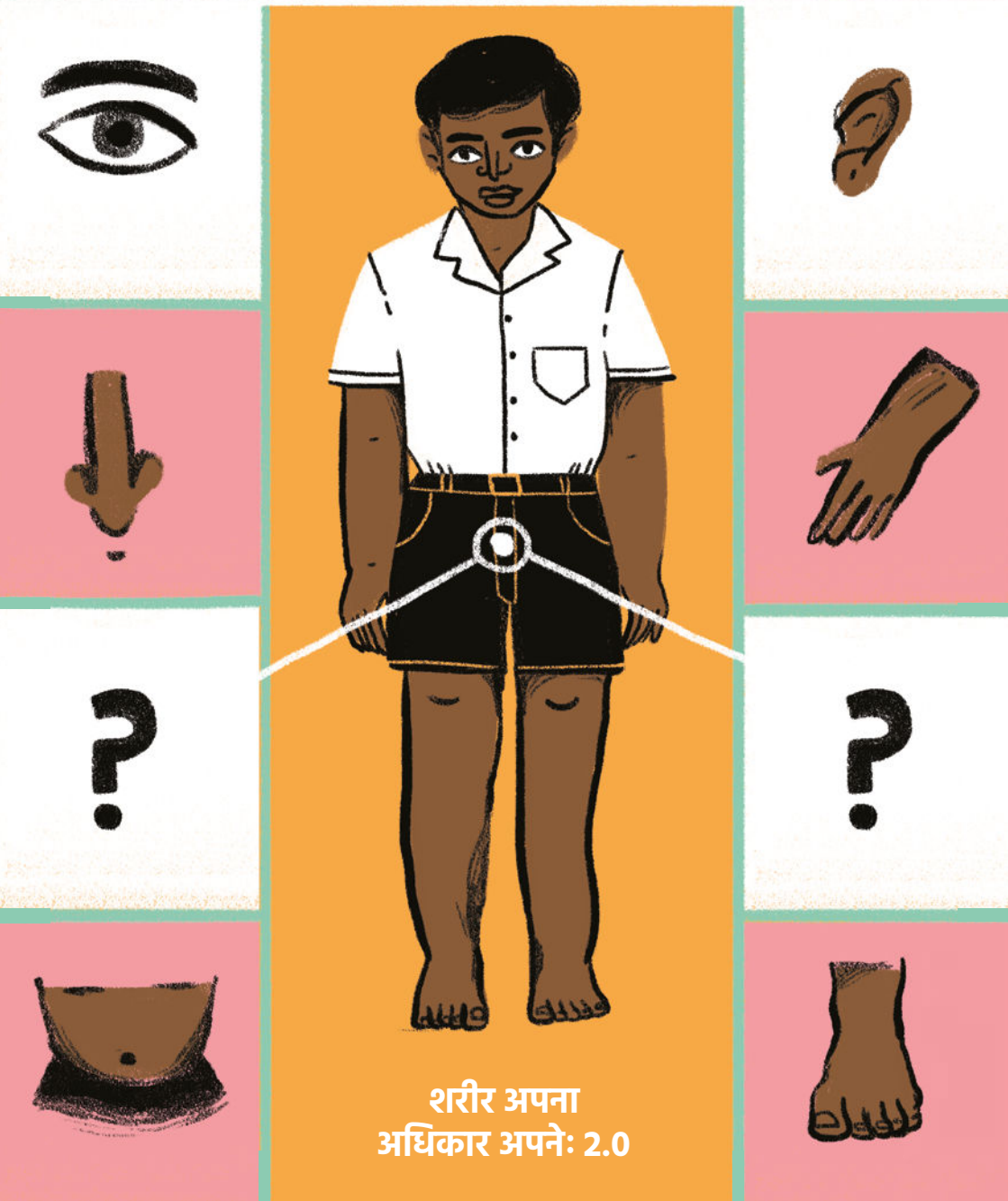

शरीर अपना
अधिकार अपने: 2.0

यह क्या है?

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोश (यू॰एन॰एफ॰पी॰ए) के मुताबिक़, व्यापक यौनिकता शिक्षा (सी॰एस॰ई) की परिभाषा यह है:

"सी॰एस॰ई एक पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा है (चाहे वह स्कूल में हो या स्कूल के बाहर हो), जिसका उद्देश्य बच्चों व युवाओं में जानकारी, कौशल, व्यवहार, और जीवन-मूल्य को बढ़ाना है, ताकि वह मानसिक व सामाजिक विकास के संदर्भ में अपनी यौनिकता के प्रति एक सकारात्मक सोच विकसित कर सकें।"

सी॰एस॰ई के अंतर्गत शरीर रचना की आधारभूत जानकारी (ऐसे हिस्से जिन्हें अक्सर स्कूल के पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया जाता है), के साथ-साथ गर्भ समापन, सहमति, रिश्तों पर बातचीत, विविध यौन एवं जेंडर पहचान, हिंसा, अधिकार और स्वास्थ्य शामिल होते हैं। सी॰एस॰ई इस मायने में व्यापक बन जाती है क्योंकि यह ऐसी सूचना प्रदान करना चाहती है, जो सभी व्यक्तियों के जीवन के प्रत्येक चरण में महत्वपूर्ण होती है। यदि पाठ्यक्रम में इनमें से किसी भी विषय के बारे में जानकारी का अभाव है, तो वह व्यापक नहीं है और वह सी॰एस॰ई नहीं है!

सी॰एस॰ई युवाओं को अपनी गरिमा, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ज़रूरी जानकारी मुहैया कराती है। सी॰एस॰ई जेंडर समानता की ओर अग्रसर होने तथा युवाओं को सशक्त करने का अभिन्न हिस्सा है।

अपनी सांस्कृतिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए, सी॰एस॰ई के 7 ज़रूरी और सबूत पर आधारित भाग हैं*:

*** व्यापक यौनिकता शिक्षा ढाँचा, इंटर्नैशनल प्लांड पैरेंटहुड फ़ेडरेशन** (आई॰पी॰पी॰एफ), 2010

जेंडर

हमारी सोच, व्यवहार और हमसे क्या अपेक्षित किया जाता है - जेंडर का सब में बहुत बड़ा हाथ होता है। जेंडर आधारित रुढ़ियों के कारण समाज में कई असामनाताएँ होती है। मर्दांगी और स्त्रियत्व के बारे में मज़बूत विचार उत्पन्न होते हैं। इनके बारे में जानकारी होना, प्रतिक्रिया करना और उनका समाधान करना, हमारे लिए ज़रूरी है। जेंडर और 'लिंग' में अंतर होता हैः यह अंतर सी॰एस॰ई का एक और मूल तत्व है।

यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य और एचआईवी (HIV)

अक्सर हमारे पास अपने शरीर की रचना के बारे में सीमित और ग़लत जानकारी होती है। साथ ही साथ यौनिक और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में कोई चर्चा नहीं होती। इन कारणों से हम अपने शरीर के बारे में सोच समझकर फ़ैसले नहीं ले पाते, जिसके कारण हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। सी॰एस॰ई इस बात पर ज़ोर देती है कि यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य बनाए रखना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यौन अधिकार और नागरिकता

यौनिकता, यौन पहचान, यौनिक पार्ट्नर का चयन, और सहमति से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के बारे में चर्चा किया जाना आवश्यक है। इसके अंतर्गत यह भी जानकारी शामिल होनी चाहिए कि स्वास्थ्य सेवाओं और अधिकारों का उपयोग करने में किस प्रकार कानून और सामाजिक बंधन आड़े आते हैं, और इसके फलस्वरूप इन विषयों के बारे में समाज के विचारों को रूप देते हैं। सी॰एस॰ई सभी व्यक्तियों और उनकी भलाई के लिए राज्य द्वारा मान्यता और सहयोग दिए जाने की पुरज़ोर हिमायत करती है।

आनंद

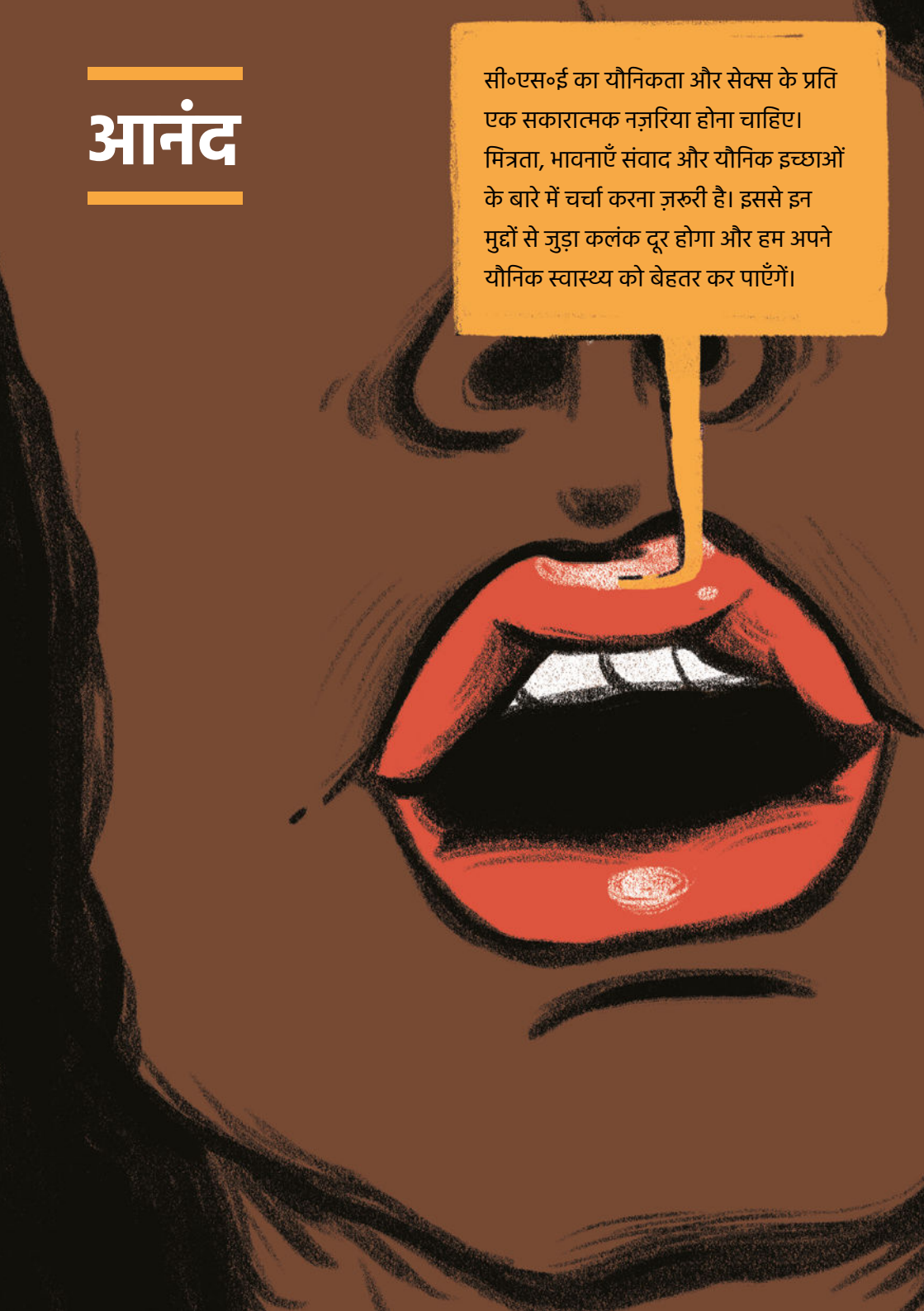
सी॰एस॰ई का यौनिकता और सेक्स के प्रति एक सकारात्मक नज़रिया होना चाहिए। मित्रता, भावनाएँ संवाद और यौनिक इच्छाओं के बारे में चर्चा करना ज़रूरी है। इससे इन मुद्दों से जुड़ा कलंक दूर होगा और हम अपने यौनिक स्वास्थ्य को बेहतर कर पाएँगें।

हिंसा

हिंसा के विभिन्न रुपों और अभिव्यक्तियों को पहचानना एक महत्वपूर्ण जानकारी है। सी॰एस॰ई हिंसा के ऊपर चर्चा करने को बढ़ावा देता है । यह विभिन्न प्रकार की हिंसाओं (यौन सम्बंधित, भावनात्मक, और शारीरिक हिंसा) में जेंडर और सत्ता की भूमिका के बारे में हमारी समझ बढ़ाता है। इस समझ से युवा हिंसा के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने के लिए सक्षम हो जाते है।

विविधता

सी॰एस॰ई हमें विविधता के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है और हमारे जीवन में मौजूद अनेक विविधताओं, विशेषकर जेंडर और यौन पहचान से संबंधित विविधताओं को पहचानने और समझने में मदद करती है।

रिश्ते

सी॰एस॰ई विभिन्न प्रकार के रिश्तों की समझ विकसित करने में मदद करती है। स्वस्थ और अस्वस्थ रिश्तों में बातचीत और संवाद का महत्व और सत्ता का बँटवारा - इस सभी पहलुओं को समझकर ही हम सही निर्णय ले पाएँगे।

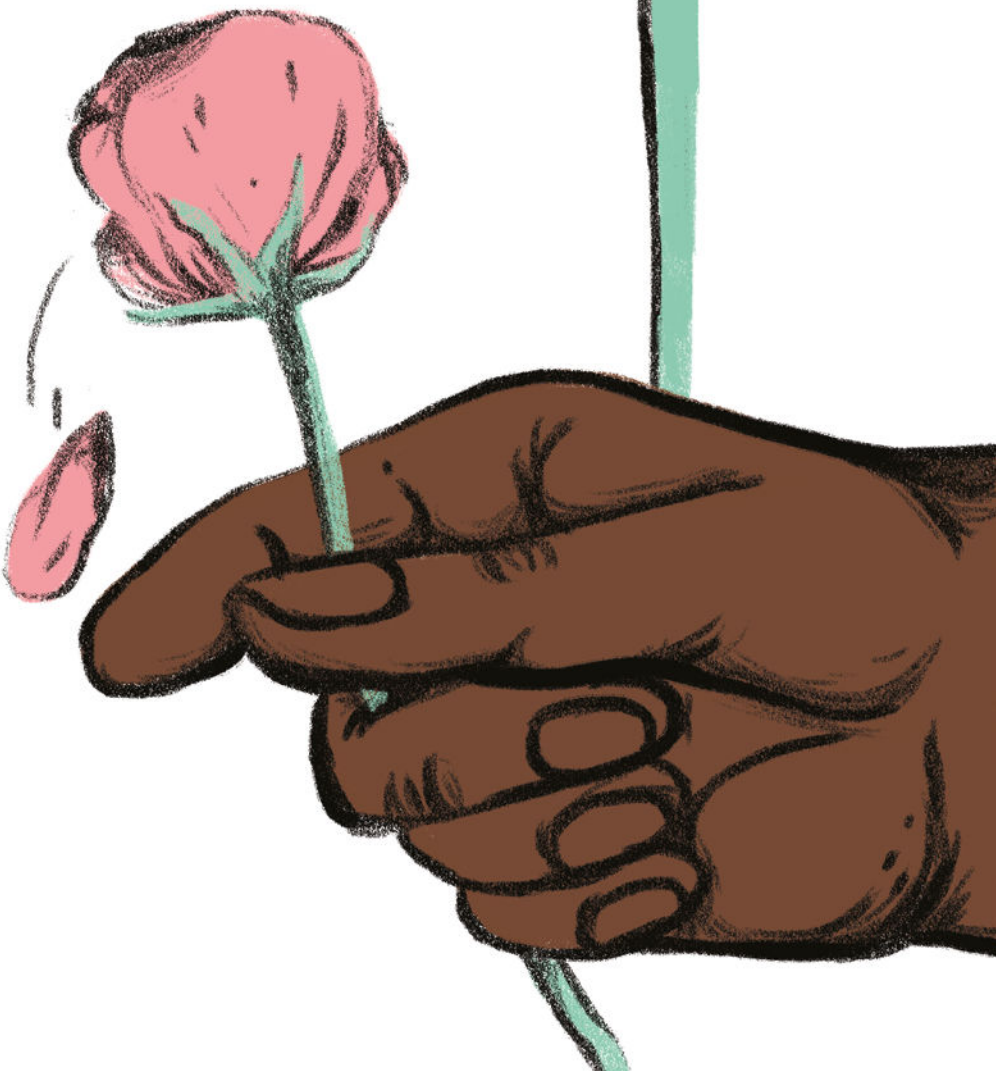

हमें सी॰एस॰ई की क्या ज़रूरत है?

प्रत्येक युवा को कभी न कभी अपने यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में ऐसे फैसले करने होते हैं, जो उनके जीवन में बदलाव लाने वाले हैं। फिर भी शोध से पता चलता है कि अधिकांश किशोर/किशोरियों में जिम्मेदारीपूर्वक इन निर्णयों को लेने के लिए आवश्यक जानकारी का अभाव है, जिससे उन्हें यौनिक हिंसा, यौन-संचारित संक्रमणों, अनचाहा गर्भधारण, और अन्य नकारात्मक परिणामों का जोखिम होता है। सी॰एस॰ई उन्हें विश्वसनीय और सुविधाजनक स्रोत से सटीक जानकारी प्रदान करती है और अपने शरीर, यौनिकता और रिश्तों के बारे में संसूचित निर्णय लेने में मदद करती है।

सी॰एस॰ई, युवाओं के लिए बातचीत शुरू कर पाने और आलोचनात्मक सोच विकसित करने के लिए एक शुरुआत है। अपने आस-पास की घटनाओं के कारणों को समझने और 'सामान्य' या 'नॉर्मल' समझी जाने वाली बातों को चुनौती देने से आलोचनात्मक सोच विकसित होती है। समीक्षा कर पाने की क्षमता होने से युवा आगे चलकर सक्रिय नागरिक बनते हैं जो समानता पर आधारित, संवेदी, और भेदभाव रहित समाज के निर्माण में बेहतर योगदान कर सकते हैं।

विशय वस्तुः शैरिन डिसूज़ा
डिजाइनः कृत्तिका सुसरला

the yp foundation

द वाई पी फाउन्डेषन (TYPF) दिल्ली में स्थित युवा-नेतृत्व वाली, नारीवादी, और अधिकार आधारित एक गैर-सरकारी संस्था है। 2002 में स्थापित, TYPF जेंडर, यौनिकता, नेतृत्व, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर युवाओं के साथ और उनके लिए काम करती है। TYPF का 'शरीर अपना, अधिकार अपने' कार्यक्रम दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में विविध पृश्ठभूमि वाले युवाओं के लिए व्यापक यौनिकता शिक्षा प्रदान करता है।

www.theypfoundation.org

fb.com/theypfoundation @theypfoundation